A-620

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

CVK-01

कर्मकाण्ड एंव पंचांग कर्म परिचय

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. प्रातः कालीन सन्ध्या के विधान का विस्तृत वर्णन करें।

Q.2. *पञ्चदेव* कौन–कौन से है, उनका परिचय दीजिये।

Q.3. मानव जीवन में नवग्रहों के प्रभाव का विस्तृत वर्णन कीजिये।

Q.4. भारतीय वांग्मय के अनुसार पुराणों के महत्व पर प्रकाश डालिये।

Q.5. षोडशमातृका के पूजन विधान का वर्णन कीजिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. किन्ही दो पुराणों का वर्णन करें।

Q.2. बुध व शुक्र के वैदिक मंत्रों को लिखिए।

Q.3. करन्यास क्या है, इसे परिभाषित करें।

Q.4. कुबेर के स्वरूप का वर्णन करें।

Q.5. किन–किन मन्त्रों के द्वारा पंचोपचार पूजन किया जाता है उन्हें लिखिए।

Q.6. नक्षत्रों के आधार पर गणों के फलों का विवेचन कीजिये।

Q.7. करण क्या है इसका वर्णन करें।

Q.8. पञ्चांग क्या है उसके अंगों का वर्णन करें।

****